INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VIII	Department: Hindi (2nd Lang)	Date:23/07/2020
Worksheet no. 5	Topic: अनुच्छेद, पर्यायवाची, प्रत्यय	Note: **Pls. write in your Hindi note book**

अनुच्छेद

1- समय का महत्त्व

समय' निरंतर बीतता रहता है, कभी किसी के लिए नहीं ठहरता। जो व्यक्ति समय के मोल को पहचानता है, वह अपने जीवन में सफलता प्राप्त करता है। समय बीत जाने पर किए गए कार्य का कोई फल प्राप्त नहीं होता और पश्चाताप के अतिरिक्त कुछ हाथ नहीं आता। जो विद्यार्थी सुबह समय पर उठता है, अपने दैनिक कार्य समय पर करता है तथा समय पर सोता है, वही आगे चलकर सफल व उन्नत व्यक्ति बन पाता है। जो व्यक्ति आलस में आकर समय गँवा देता है, उसका भविष्य अंधकारमय हो जाता है। संतकवि कबीरदास जी ने भी अपने दोहे में कहा है -

''काल करै सो आज कर, आज करै सो अब।
पल में परलै होइगी, बहुरि करेगा कब।।''

समय का एक-एक पल बहुत मूल्यवान है और बीता हुआ पल वापस लौटकर नहीं आता। इसलिए समय का महत्व पहचानकर प्रत्येक विद्यार्थी को नियमित रूप से अध्ययन करना चाहिए और अपने लक्ष्य की प्राप्ति करनी चाहिए। जो समय बीत गया उस पर वर्तमान समय में सोच कर और अधिक समय बरबाद न करके आगे अपने कार्य पर विचार कर-लेना ही बुद्धिमानी है।

2- वन और पर्यावरण का संबंध

संकेत-बिंदु -वन,प्रदूषण-निवारण में सहायक,वनों की उपयोगिता,वन संरक्षण की आवश्यकता, वनसंरक्षण के उपाय।

वन और पर्यावरण का बहुत गहरा संबंध है। प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने के लिए पृथ्वी के 33% भाग को अवश्य हरा-भरा होना चाहिए। वन जीवनदायक हैं। ये वर्षा कराने में सहायक होते हैं। धरती की उपजाऊ शक्ति को बढ़ाते हैं। वनों से भूमि का कटाव रोका जा सकता है। वनों से रेगिस्तान का फैलाव रुकता है, सूखा कम पड़ता है। इससे ध्वनि प्रदूषण की भयंकर समस्या से भी काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है। वन ही नदियों, झरनों और अन्य प्राकृतिक जल स्रोतों के भण्डार हैं। वनों से हमें लकड़ी, फल, फूल, खाद्य पदार्थ, गोंद तथा अन्य सामान प्राप्त होते हैं।

आज भारत में दुर्भाग्य से केवल 23 % वन बचे हैं। जैसे-जैसे उद्योगों की संख्या बढ़ रही है, शहरीकरण हो रहा है, वाहनों की संख्या बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे वनों की आवश्यकता और बढ़ती जा रही है। वन संरक्षण एक कठिन एवं महत्वपूर्ण काम है। इसमें हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी पड़ेगी और अपना योगदान देना होगा। अपने घर-मोहल्ले, नगर में अत्यधिक संख्या में वृक्षारोपण को बढ़ाकर इसको एक आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाना होगा। तभी हम अपने पर्यावरण को स्वच्छ रख पाएँगे।

पर्यायवाची

निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए -

1- औरत= महिला, नारी

2- पंछी = पक्षी, खग

3- हृदय= उर, दिल

4- हिमालय= नगपति,पर्वतराज

5- सोना= कनक,कंचन

6- सेना = दल, फ़ौज

7- साधु= संत, संन्यासी

8- समुद्र = सागर, सिंधु

9- शत्रु = अरि, दुश्मन

10- वसंत = ऋतुराज, मधुमास

प्रत्यय

जो शब्दांश किसी शब्द के अंत में जोड़कर नया शब्द बनाते हैं वे प्रत्यय कहलाते हैं।

विशेष

1- प्रत्यय शब्दों के अंत में लगते हैं।
2- प्रत्यय शब्द के अंत में जोड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन लाते हैं।
3- यह शब्दांश होते हैं, इसलिए इनका स्वतंत्र रूप से प्रयोग नहीं किया जाता। जैसे -

समाज + इक = सामाजिक
सुगन्ध + इत = सुगन्धित
भूलना + अक्कड़ = भुलक्कड़
मीठा + आस = मिठास
भला + आई = भलाई

उपरोक्त शब्दों में इक, इत, अक्कड़, आस और आई प्रत्यय हैं।

निम्नलिखित प्रत्ययों से दो-दो शब्द बनाइए

1- इया =दुखिया, मुखिया **2- नी = शेरनी, मोरनी**

3- आवा= दिखावा, पहनावा **4- आलु= कृपालु, दयालु**

5- क= लेखक, पाठक **6- पन= बचपन, लड़कपन**

7- इक= दैनिक, सामाजिक **8- ईला= चमकीला, रंगीला**

9- मय= सुखमय, जलमय **10- एरा= चचेरा, ममेरा**

==========